भारत सरकार **राज्य सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 2171**

दिनांक 25 अप्रैल, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

देश से आयातित दालों का पुनःनिर्यात किया जाना

2171. श्री रामचन्द्र प्रसाद सिंहः
श्री राम जेठमलानीः
क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि औद्योगिक प्रतिनिधियों द्वारा सरकार से आयातित दालों का पुनःनिर्यात किए जाने की अनुमति मांगी जा रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) मार्च, 2012 के अंत तक देश में आयातित दालों की कुल कितनी मात्रा है, जिसकी अभी तक खपत नहीं हो पाई है; और

(घ) आयातित दालों का पुनःनिर्यात किए जाने के क्या कारण बताए गए हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य मा0 सिंधिया)

(क) और (ख) : भारतीय दाल विनिर्माता-निर्यातक एसोसिएशन से एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है जिसके माध्यम से कच्ची दालों के पूर्व-आयात के बदले दलहनों के निर्यात (अनाज के बदले अनाज आधार पर) की अनुमति मांगी गयी है ।

(ग): दालों का आयात "मुक्त" है अतएव खपत का रिकॉर्ड नहीं रखा जाता है । उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल, 2011 से जनवरी, 2012 तक देश में आयातित दालों की कुल मात्रा 2688618 मिट्रिक टन है ।

(घ): उपर्युक्त (क) में उल्लिखित अभ्यावेदन में पुनर्निर्यात की मांग का कारण यह बताया गया है कि इससे घरेलू मांग-आपूर्ति की स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और यह घरेलू दाल मिल उद्योग के लिए सहायक होगा ।

.....